फोर्ट कॉमिक्स

मूल्य 7/- सरव्या 46

मैन्डो और कालाग्नि

Scan &editing by Rahul Dubey

इस सैट के कॉमिक्स

- खगेश (महाडाइजेस्ट) (सुपर फैन्टेसी)
- सैन्डो और कालाग्नि (एक्शन, थ्रिल, सस्पैंस और फैन्टेसी)
- जंगारू और चक्रव्यूह सम्राट आक्रांता (एक्शन, थ्रिल, सस्पैंस और फैन्टेसी)
- गुफीना (सुपर एक्शन)
- टिंकी और अजनबी मेहमान (महाकॉमेडी)
- त्रिनेत्र (डिटेक्टिव)

आगामी सैट के कॉमिक्स

- गदर (महाडाइजेस्ट) (जीको, सैन्डो, जंगारू और ज्वालापुत्र)
- गजशेरा (सुपर तिलिस्म)
- टिंकी और चूं चूं चपौड़िया (सुपर कॉमेडी)
- वतन पर कुर्बान (फोर्ट वॉर कॉमिक)
- कमाण्डो द किलर–दारुण (हैरतअंगेज एक्शन)
- जिधर देखो मौत है (ऑक्टोपस)

प्रकाशक :

बुक फोर्ट

106-ई, पो०बा० नं० - 2162, कमला नगर, दिल्ली - 7 (भारत) फोन : 2923955
फैक्स : 91-11-2923955 टैलेक्स : 031-61028 तार : SIRINDCONS वाइस मेल नं० : 3715183, 3723771

समस्त © कॉपीराइट प्रकाशकाधीन Subject to Delhi Jurisdiction Only

वितरक :
विशाल पुस्तक भण्डार
4449, नई सड़क, दिल्ली - 6 फोन : 2918117

अन्य शोरुम :
* 4/43, रूप नगर, दिल्ली - 7 फोन : 2910805, 2916804
* 38, ग्राउन्ड फ्लोर, वर्ल्ड ट्रेड सैन्टर, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 1 फोन : 3715183, 3723771

कालाग्नि
महाबली सैन्डो का आतंक तमाम अपराधियों में यूं ही न था। सैन्डो एक दिव्यशक्ति जिसने जन्म लिया था धरती से पाप को समूल मिटा देने को। सैन्डो को खत्म करने के लिए अनेक साजिशें हुई लेकिन सेन्डो ने ध्वस्त कर दीं वे सभी शक्तियां जो उससे टकराई।
कालाग्नि एक ऐसी शख्सियत थी जो अंगारों पर बैठकर तपस्या करता था। कालाग्नि चूंकि राक्षस प्रवृति का था अत: उससे सहन न हुआ- महाबली सैन्डो जैसा जलजला। वर्षों तपस्यारत रहने पर उसने प्राप्त की थी आश्चर्यजनक शक्तियां जिनके बल पर वह मिटाने चल पड़ा था सैन्डो को। एक दिन-
सॉंय
सॉंय्यऽऽ
सावधान ! महाबली सैन्डो सावधान ! वो आ रहा है... सैन्डो ! कालाग्नि इधर ही आ रहा है।
सॉंयऽ
सम्पादक : अजय कुमार गुप्ता
लेखक : विनय मोहन
चित्रांकन : पल्लवी इलस्ट्रेटर
तेज आंधी सैन्डो को संदेश दे रही थी-

और थोड़ी देर बाद ही आकाश में बादल मंडराने लगे थे
शायद इस बार मामला कुछ ज्यादा ही गम्भीर है, वरना ये आंधियाँ मुझे सावधान न करतीं।
बिजली कड़क रही थी, चारों तरफ अंधेरा फैलने लगा था-
कड़ाक
ढूम्म
धड़ाक
थोड़ी देर बाद बादल जैसे फट पड़े थे...।
ओह! चिन्द्राली अभी तक नहीं लौटी है... मौसम भयानक हो रहा है।
टप टप टप
इस रेगिस्तान में आज तक ऐसी बारिश नहीं हुई।
ये लीपो और पैन्थर भी अभी तक नहीं आये।
पाठको, चिन्द्राली महबूबा है सैन्डो की और लीपो है सैन्डो का लाडला कुत्ता जो कि वक्त पड़ने पर शेर का भी मुकाबला कर लेता है, और पैन्थर है सैन्डो का तूफानी घोड़ा।

Scan & editing by Rahul Dubey

कौन है? सामने क्यों नहीं आते? यदि मुकाबला करना है तो सामने आओ।
प्रत्युत्तर में एक परछाई सी उभरी और उसके साथ ही आसमान में भयंकर रूप से बिजली कड़की-
कड़ऽऽ
कड़ाक
भड़ाम
धीरे-धीरे आकृति एक मानव शरीर में बदलती चली गई और-
कड़ऽऽ
लो मैं सामने आ गया ... हा-हा-हा-हा-हा..सैन्डो कर लो जो भी तुम कर सकते हो। हा-हा-हा।
कौन हो तुम? और मुझसे क्या चाहते हो?
कड़ाक

कालाग्नि अपनी शक्ति के मद में चूर होकर बोला-
मैं हूं तेरा काल, सैन्डो ! मुझे कहते हैं कालाग्नि ...। हां, सैन्डो मैं वो काल रूपी अग्नि हूं जिसमें तुम जैसे महारथी भी भस्म हो जाते हैं। तुमने मेरे अनेक शिष्यों को खत्म किया है, उन सबका हिसाब लूगा मैं तुमसे। हा.. . हा...हा...हा...।
सैन्डो गुस्से की अधिकता से कांप उठा था...।
कड़ऽऽ
कड़ाक
अपनी मौत को न्यौता मत दो कालाग्नि। चले जाओ यहां से, वरना...।
हा-हा-हा-हा हु-हा-हा- रेत की शक्ति, जिस पर तू इतराता है, अब तेरे काम नहीं आएगी सैन्डो। देख ये बिजली, ये बारिश, ये सब मेरे गुलाम हैं। मेरी गुलामी कुबूल करलो सैन्डो नहीं तो बहुत पछताओगे।

दहाड उठा था कालाग्नि
सोच क्या रहा है, महाबली ? मुकाबला कर। हा हा हा।
और इधर गुस्से की अधिकता में सैन्डो का सिर चकराने लगा था। सैन्डो ने आव देखा न ताव अपनी रेत शक्ति से हमला कर दिया कालाग्नि पर लेकिन अगले ही क्षण दो दिग्गज आपस में टकरा गये। टक्कर बराबर की थी।
फुस्सरऽऽ
सीऽऽऽ
कालाग्नि के हाथ से निकली पानी की फुहार ने रेत को शांत कर दिया था-

और फिर सैन्डो किसी चटटान की तरह कालाग्नि के समक्ष खड़ा हो गया ।

!?

मैं तुम्हें वक्त देता हूं सैन्डो ! सोच लो... वरना तुझे किश्तों में मौत दूंगा मैं। तेरी मौत का सामान मैंने जोड़ लिया है सैन्डो ! हा हा हा हा...!

और कालाग्नि अदृश्य होता चला गया...।

कालाग्नि के गायब होते ही बारिश रूक गई थी, मौसम साफ हो गया था...।

आखिर क्या बला है ये कालाग्नि?

तभी सैन्डो को एक आकाशवाणी सुनाई दी

सैन्डो ! कालदेव का गुरू है कालाग्नि ! हां, कालदेव जिसको जिंदा ही दफन कर दिया था तूने !

ओह ! तो ये चक्कर है खैर, देख लूंगा इसे भी !

रेत सैन्डो की गुलाम है...

सैन्डो आराम की मुद्रा में एक चट्टान पर बैठा था और सामने चिन्द्राली पैन्थर पर लीपो सहित कहीं से सैर करके आ रही थी ।
ओह ! चिन्द्राली आ रही है ।
चिन्द्राली सीधी सैन्डो के पास पहुंची-
ओह सैन्डो ! आज तो मजा आ गया ! क्या बारिश थी । हम सब खूब नहाये ।
सच, इस मरुस्थल में तो तरस जाते हैं बारिश को !
Scan & editing by Rahul Dubey
सैन्डो ने चिन्द्राली की बात का समर्थन किया ।
ठीक कहती हो चिन्द्रे ।

सैन्डो, चिन्द्राली को देख सब कुछ भूल.गया था-

डियर, तुम कपड़े बदल डालो, आज मौसम ठण्डा है कहीं तुम्हें ठण्ड न लग जाए।

चिन्द्राली ने जल्दी ही कपड़े बदल डाले थे-

उसी रात-

चिन्द्रे, मैं कुछ दिनों के लिए बाहर जा रहा हूं, तुम अपने कबीले लौट जाओ। पैन्थर और लीपो तुम्हारे साथ रहेंगे।

सैन्डो तुम....

अच्छा चिन्द्रे, अपना ख्याल रखना। और हां, मेरी जरूरत पड़े तो इस सहारा की रेत को हवा में उड़ा कर अपना संदेश कह देना, मुझे खबर मिल जाएगी।

फिर चिन्द्राली ने सैन्डो को इजाजत दे दी थी-

फिर महाबली सैन्डो चल पड़ा था एक अज्ञात दिशा में-
कई दिनों तक तूफानी रफ्तार से भागता रहा सैन्डो-
और आज पूरे तीस दिन बाद सैन्डो खड़ा था मैक्सिको के भयानक ज्वालामुखी के मुहाने पर
फक्कऽऽ
फक्क
बड़ाम
बड़ाम
ये क्या कर रहा है सैन्डो ?
क्या आत्महत्या ?
गड्डर
गड्डर
फक्क
ज्वालामुखी अपने पूरे भयानक तरीके से उबल रहा था इस लावे में फौलाद गिर जाये तो वो भी पिघल जाये

लेकिन ये क्या!

सैन्डो ज्वालामुखी के भीतर कूद पड़ा था

लेकिन सैन्डो किसी चिकनी मछली की तरह खोलते लावे में बहता चला गया.

वाह! ये आग और लावा कितनी शीतलता दे रहे हैं मेरे शरीर को!

बड़ा

आज सात दिन हो चुके हैं सैन्डो को इस धधकते ज्वालामुखी के भीतर-

वाह! मजा आ गया!

चिन्द्राली मेरी राह देख रही होगी। अब मुझे चलना चाहिए।

सैन्डो आग और लावे के स्नान से एकदम युवा और बहुत खूबसूरत हो गया-

इधर कालाग्नि अपनी दिव्य शक्ति से सैन्डो पर नजर रखे हुए था-
सचमुच बहुत मायावी है मेरा ये जांबाज दुश्मन।
सैन्डो इधर ही आ रहा है।
इसका इलाज करना पड़ेगा।
और कालाग्नि के जलते हुए नेत्र खुल गए-
जाग पिशाचिनी जाग SSS
जाग कचपैंदरा SS जाग पपरपींड़ जाग SSS
कालाग्नि ने तीन पिशाच शक्तियों का आह्वान किया-
क्षणोंपरान्त-
हु आ-हा-हा-हा SS
हा हा हा मैं हूं पपरपीड़।
जाग उठी पिशाचनी-
ईया SS
और जाग उठा कचपैंदरा-
खुर्र SS खुर्र S

क्या हुक्म है आका !

पिशाचिनी ! कचपैंदरा ! जाओ और सैन्डो नाम के रेतीले शैतान को खत्म कर दो !

लेकिन सावधान, वो अत्यन्त मायावी है। तुम्हारी छोटी सी भूल तुम्हें नेस्तनाबूद कर देगी

जो हुक्म, आका !

पपरपींड़ ! तुम यहीं रहोगे मेरे पास।

और फिर अलग-अलग दिशाओं में चल पड़े थे, कचपैंदरा और पिशाचनी।

सैन्डो का सबसे पहला टकराव हुआ कचपैंदरा से-

कहां भाग रहा है मच्छर ? तेरी मौत सामने खड़ी है। खुर्र खुर्र खुर्र खुर्र !

खुर्र खुर्र

खुर्र

अबे ओ भालू की औलाद हट जा मेरे सामने से वरना खत्म कर दूंगा मैं तुझे।

Scan & editing by Rahul Dubey

और फिर
खुर्र ऽऽऽ
साँय
साँय
आऽ
खुर्र ऽऽ
साँयऽऽ
साँयऽऽ
सैन्डो के मुख से निकली आग और रेत ने अंधा कर दिया कचपैंदरा को ।
कचपैंदरा ने छलांग लगा दी सैन्डो पर-
अपनी मौत से टकराने चला था तू। ले मर।
सैन्डो का गुस्सा उफान पर था-
और सैन्डो ने वह भारी पत्थर दे मारा कचपैंदरा पर-
आऽऽ
फचाक
चीथड़े उड़ गये कचपैंदरा के ।
इतने पर भी सैन्डो का गुस्सा कम नहीं हुआ और उसने कचपैंदरा के बेजान शरीर को उठाकर-
हैयाऽऽऽ
-दूर फेंक दिया ।

हवा में उड़ता कचपैंदरा का पार्थिव शरीर कालाग्नि के सामने जा गिरा-

ओह ! कचपैंदरा मारा गया। लेकिन अब बच नहीं सकेगा वो मेरे कहर से।

धप्प

इधर पिशाचिनी ने कालाग्नि के अनुसार अपनी मायावी शक्ति से चिन्द्राली का रूप धर लिया-

अब देखती हूं, कैसे बचेगा सैन्डो मुझसे?

और पिशाचिनी जो अब चिन्द्राली के रूप में थी चिल्लाने लगी।

सैन्डो sss सैन्डो ss मेरे स्वामी ss मेरे देवता

उधर सैन्डो को एक करूण पुकार सुनाई दी पुकार इतनी दर्द भरी थी कि सैन्डो विचलित हो गया-

स्वामी सैन्डो ss

ये आवाज कैसी? मालूम पड़ता है चिन्द्राली किसी खतरे में है।

आवाज की दिशा में दौड पड़ा सैन्डो।

सैन्डो ऽऽऽऽ स्वामी

मैं आ रहा हूं, चिन्द्रे।

सैन्डो चीते से भी तेज दोड़ता है।

चंद पलों में सैन्डो अपने ठिकाने पर पहुंच गया था और चिन्द्राली बनी पिशाचिनी के सामने था-

मैं आ गया चिन्द्रे।

ओह! स्वामी तुम कहां चले गए थे, मुझे अकेला छोड़ कर?

चिन्द्रे, तुम यहाँ कैसे? तुम्हें तो बागू कबीले में होना चाहिए था...।

खैर! अब तुम चिन्ता मत करो। मैं आ गया हूं।

सैन्डो, देखा मैंने तुम्हारे लिए मछली पकाई है। लो खाओ।

रेगिस्तान में मछली कहां से आई? जरूर कुछ गड़बड़ है।

वो-वो कालाग्नि तुम्हें खत्म करने की धमकी देने आया था। तभी से मैं डर गई थी। फिर मैं यहां चली आई।

और सैन्डो ने जैसे ही मछली खाई उसका शक पक्का हो गया क्योंकि मछली में जहर था-

हूं ! जरूर ये कोई दुश्मन की चाल है जो मुझे खत्म कर देना चाहता है !

लेकिन महायोगी सैन्डो पर यह जहर असर नहीं कर सका-

कैसी बनी है ?

बस अब चंद पलों का मेहमान है तू महाबली सैन्डो !

अति स्वादिष्ट प्रिये !

सब कुछ जानकर भी सैन्डो अनजान बना रहा-

कुछ देर बाद-

प्रिये, मुझे नींद आ रही है, मैं जरा सो लूं...?

हां ! हां क्यों नहीं ! तुम सो जाओ, मैं तुम्हारे पास बैठती हूं !

अंतिम नींद सोजा सैन्डो अब तू कभी नहीं जागेगा !

Scan & editing by Rahul Dubey

सैन्डो ने पिशाचिनी को और मौका नहीं दिया अगले ही क्षण सैन्डो ने पिशाचिनी की दोनों टांगें पकड़कर घुमाना शुरू किया और पिशाचिनी को चक्करघिन्नी बना दिया-
सांयऽऽसांयऽऽऽऽऽ
बचाओ ऽऽ सैन्डोऽऽ हमें बचाओ बचाओ ऽऽ सैन्डोऽऽ
और फिर सैन्डो ने पिशाचिनी को जमीन पर इस तरह पटकना शुरू कर दिया जैसे धोबी कपड़े पटकता है।
धड़ाक
धड़ाक
धड़ाक
धड़ाक
इस तरह पिशाचिनी की आत्मा भी मुक्त हो गई थी-

और उधर कालाग्नि और पपरपींड़ सैन्डो को ढूंढ़ते हुए बागू कबीले जा पहुंचे थे । इस वक्त कालाग्नि का कहर बरस रहा था बागू कबीले पर-
ईया ऽऽ
बता, कहाँ है सैन्डो ?
मुझे नहीं मालूम ?
और बुरी तरह से पपरपींड़ एक कबीले वाले की टांगे खा रहा था पपरपींड एक ऐसा दरिन्दा था जिसे निर्दोषों को मारने में विशेष आनन्द आता था-
नहीं बताता तो ले मर ।
वैसे कालाग्नि अपनी योग विद्या से मालूम कर सकता था सैन्डो के बारे में लेकिन आज उसका विवेक उसका साथ नहीं दे रहा था
मेरे बच्चे को मत मारो । हमें नहीं मालूम सैन्डो के बारे में ।
और इस तरह एक-एक कर सभी कालाग्नि और पपरपींड़ का शिकार हो रहे थे ।
कचर ऽऽ कचर
अगले ही पल कालाग्नि ने एक जंगली का सीना चाकू से फाड़ दिया ।
चारों तरफ कबीले वालों की कटी-फटी लाशें पड़ीं थीं-

फिर बागू कबीले के कुछ लोगों की लाशें पेड़ से लटका दीं पपरपींड़ ने। कालाग्नि कापली और चिन्द्राली को पकड़ कर चल पड़ा अपनी मायावी गुफा की ओर ।

तू बचेगा नहीं दरिन्दे। सैन्डो जरूर आयेगा। कालदेव की तरह तुझे भी जिन्दा दफन कर देगा सैन्डो।

खामोश नादान छोकरी। देख लूंगा तेरे महाबली सैन्डो को भी मैं।

उधर सैन्डो जब बागू कबीले पहुंचा तो उसने पाया...।

उफ! ये सब किसने किया?

पूरे कबीले में मौत का सन्नाटा था...।

तभी दूर से पैन्थर और लीपो की आवाजें आने लगी...।

हिन्न हिन्न

भौ भौ भौ

काफी प्रयास करने के बाद उस आदमी को होश आया...।

आऽऽऽ कौन? सैन्डो! तुम आ गये। वो कोई प्रेत था। आऽऽऽ चिन्द्राली और सरदार कापली को पकड़ कर ले गया वो। आह कालाग्नि...।

ओह!

इतना कहकर उस आदमी ने दम तोड़ दिया...।

पैन्थर और लीपों दोनों बंधे हुए थे दूर एक झोपडी में। उनकी आवाज सुनकर सैन्डो वहां पहुंच गया और-

पैन्थर/लीपो! चिन्द्राली कहाँ है? तुम्हें किसने यहाँ बांध रखा है?

ओह! चिन्द्राली ने बांध दिया था तुम्हें यहाँ।

और ये सब कालाग्नि की करतूत है। चलो पैन्थर मुझे जल्दी वहाँ ले चलो जहाँ चिन्द्राली को कैद कर रखा है उस चांडाल ने।

भौं भौं

हिन्नऽऽ हिन्नऽ

सैन्डो लीपो और पैन्थर सहित सभी जानवरों की भाषाएं समझ और बोल सकता है।

और फिर पैन्थर पर सवार सैन्डो चल पड़ा कालाग्नि की ओर। पीछे-पीछे लीपों भी दौड़ पड़ा था-

सॉंयऽऽ सॉंयऽऽऽ

हिन्नऽऽ हिन्नऽ

ओह! चिन्द्राली पुकार रही है मुझे। पैन्थर और तेज दौड़ो।

भौंऽऽ भौं

सैन्डो का क्रोध के मारे बुरा हाल था ऐसा लगता था कि मानों भूचाल आ गया हो और अगले ही क्षण ऐसा लगा कि रेत का तूफान आ गया हो लगा चिन्द्राली का अपहरण करके कालाग्नि ने अपनी मौत को दावत दे डाली थी कालाग्नि के इस कुकृत्य के कारण सैन्डो की स्थिति अर्धविक्षिप्तों जैसी हो गई और कमान से छूटे तीर की तरह पैन्थर सरपट दौड़ पड़ा था.।

और उधर कालाग्नि ने अपनी मायावी शक्ति से जान लिया कि सैन्डो के सिर पर खून सवार है और अगले ही क्षण-

पपरपींड़। मैं देख रहा हूं... सैन्डो तूफानी रफतार से इधर ही आ रहा है। अतः तुम शीघ्र जाओ और उसे खत्म कर दो।

हा-हा-हा-। ठीक है आका। हा-हा-हा- खा जाऊंगा उसकी बोटियां नोंच नोंच कर मैं। हा-हा-हा..।

कालाग्नि! हमें कैद करके तूने अपनी मौत को दावत दी है।

और पपरपींड़ को जैसे मुंहमांगी मुराद मिल गयी। पपरपींड़ को इस घड़ी का बेसबी से इन्तजार था और पपरपींड़ चल पड़ा था सैन्डो को खत्म करने .।

कालाग्नि भभक उठा गुस्से से-

नादान लड़की! सैन्डो मेरी इस गुफा में प्रवेश ही नहीं कर सकता। इस गुफा में प्रवेश करते ही उसकी सभी असाधारण शक्तियां खत्म हो जाएंगी। हा-हा-हा...।

और सैन्डो के अन्जाम के बारे में सोचकर बुरी तरह सिहर उठी चिन्द्राली-

हे भगवान मेरे सैन्डो की रक्षा करना।

कैसे बचेगा इन दगाबाजों के चक्रव्यूह से सैन्डो और फिर

Scan & editing by Rahul Dubey

थोड़ी देर बाद पपरपींड़ अदृश्य हो सैन्डो के पास पहुंच गया था-
हा-हा-हा-हा-सैन्डो मैं तुम्हें खा जाऊंगा।
हिन्नऽऽ हिन्नऽऽ हिन्नऽऽ
ये आवाज कहाँ से आ रही है?
पैन्थर! क्या हुआ तुम्हें?
और पपरपींड़ ने अदृश्य रह सैन्डो पर आक्रमण कर दिया-
ढिसुम
उफ!
सैन्डो के चेहरे पर मुक्का पड़ा लेकिन मुक्केबाज नजर नहीं आया।
और सैन्डो पैन्थर सहित जमीन पर गिर पड़ा-
ओह! लगता है कोई मायावी राक्षस है।
धडाम
लेकिन सैन्डो कोई साधारण हस्ती न थी

सैन्डो ने अपनी रेत शक्ति का आह्वान कर अपना आक्रमण शुरू कर दिया-
सांयऽऽ सांयऽऽ
सर्रऽऽ
सर्रऽऽ
सैन्डो के शरीर से निकला रेत एक तरफ जैसे किसी चीज से टकरा कर गिर रहा था ।
हुंह। तो ये यहाँ है। मेरे पास इससे उलझने का वक्त नहीं है। इसे तुरन्त खत्म करना होगा। अतःइस पर न्यूट्रॉन किरणों से फायर करता हूं।
सैन्डो कुछ खास मौकों पर ही न्यूट्रान पिस्तौल इस्तेमाल करता है-

फिर देर न की सैन्डो ने-
सांय
झांय ऽऽ
टिंचू
टिंचू
बडाम
बडाम
न्यूट्रॉन पिस्तौल से फायरिंग शुरू कर दी सैन्डो ने-
न्यूट्रॉन किरणों से शरीर से टकराते ही पपरपीड़ का शरीर दिखाई देने लगा था।
और फिर
पपरपीड़ का शरीर पूरी तरह भस्म हो गया था।
और फिर पपरपीड़ की आत्मा उसका शरीर छोड़कर परलोक कूच कर गई थी ।

पपरपींड को खत्म कर बढ़ चला था सैन्डो कालाग्नि के ठिकाने की ओर ।
सावधान सैन्डो! कालाग्नि जिस गुफा में रहता है वहीं घुसते ही सभी दैविक शक्तियाँ खत्म हो जाती हैं।
सांय सांय
रेत ने सैन्डो के कानों में सरगोशी की थी ।
लेकिन सैन्डो रूका नहीं-
हूं। तो ये है वो गुफा।
हिन्न ऽऽ हिन्न ऽ
भौं ऽऽ भौं ऽ
दुस्साहसी सैन्डो निर्भय हो घुस पड़ा था दुश्मन की मांद में।
उधर कालाग्नि सारी घटना को अपनी दिव्यदृष्टि से देख रहा था। अत: सैन्डो को गुफा के भीतर प्रवेश करता देख दहाड़ उठा कालाग्नि-
आओ सैन्डो; आओ। हम तुम्हारे दुस्साहस के कायल हैं। हा-हा-हा-हा।
हिन्न ऽऽ हिन्न ऽ
भौं
कहाँ छिपा बैठा है कायर! देख तेरी मौत तेरे सामने खड़ी है।
दनदनाता हुआ सैन्डो गुफा में घुसता चला गया।
कालाग्नि जलती हुई चिता में बैठा था . और जोर-जोर से अट्टहास कर रहा था
हा-हा-हा-हा-
सैन्डो! खत्म कर दो इस राक्षस को।

Scan & editing by Rahul Dubey

और सैन्डो ने आगे बढ़कर चिन्क्ली और कापली को बंधनों से मुक्त कर दिया।

रही सही कसर पूरी उछाल भरी और चारों पैर कालाग्नि के शरीर पर पड़े ।

कालाग्नि कितना बेबस हो चुका था उसे सपने में भी यह उम्मीद नहीं थी कि उसकी मौत दो साधारण जानवरों के हाथ लिखी है।

नहीं

और फिर लीपो ने नीचे गिरे कालाग्नि के गले में दांत गाड़ दिये थे-

भौं भौं

आssss

धड़ाक

लीपो कालाग्नि को बुरी तरह से उधेड़ रहा था कालाग्नि जिसने कितने ही निरपराध लोगों को मौत के घाट उतारा था ।

इसी के साथ कालाग्नि की आत्मा भी खुदागंज की ओर कूच कर गई थी ।

सभी यहाँ से फटाफट निकल चलो। ये जगह अब खत्म होने वाली है।
और फिर सभी गुफा से बाहर भागने लगे...।
जैसे ही सैन्डो और उसके साथ लीपो, पैन्थर, कापली और चिन्द्राली गुफा से बाहर निकलते ही तभी गुफा में एक जबरदस्त धमाका हुआ ।
बड़ाम
पूरी गुफा में परखच्चे उड़ गये और जो आसपास चट्टानें थीं बुरी तरह तबाह हो गई।
और चिन्द्राली ने चैन की सांस ली। एक बहुत बड़ी मुसीबत समाप्त हुई थी। कालाग्नि की सारी मायावी शक्तियां तबाह हो गई थी। सैन्डो और उसके साथी बहुत प्रसन्न थे ।
ओह ! बाल-बाल बचे ।
चलो चिन्द्रे अब यहाँ क्या रखा है ?
और सभी बागू कबीले की ओर चल पड़े थे...।
यह कॉमिक आपको कैसी लगी, अपने सुझाव हमें इस पते पर अवश्य भेजें
अजय कुमार गुप्ता 4449, नई सड़क, दिल्ली-110 006

समाप्त

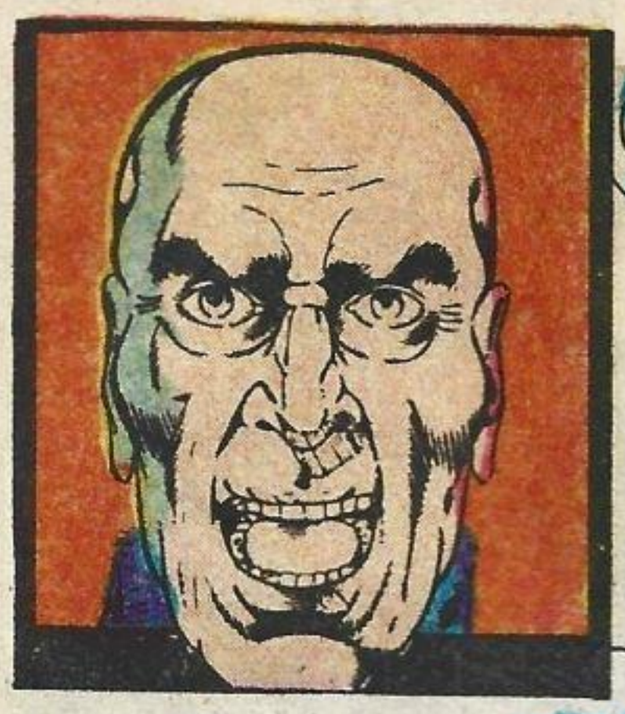

खत्म कर दो जंगारू को !
फोर्ट कॉमिक्स में
परम योद्धा जंगारु की इंसानियत के दुश्मनों से बगावत। जंगारु अपने आप में एक ताकतवर कमांडो फोर्स। आओ पढ़ें और देखें इस बार इस महायोद्धा का कहर किस पर मौत बनकर बरस उठा है।
जंगारू

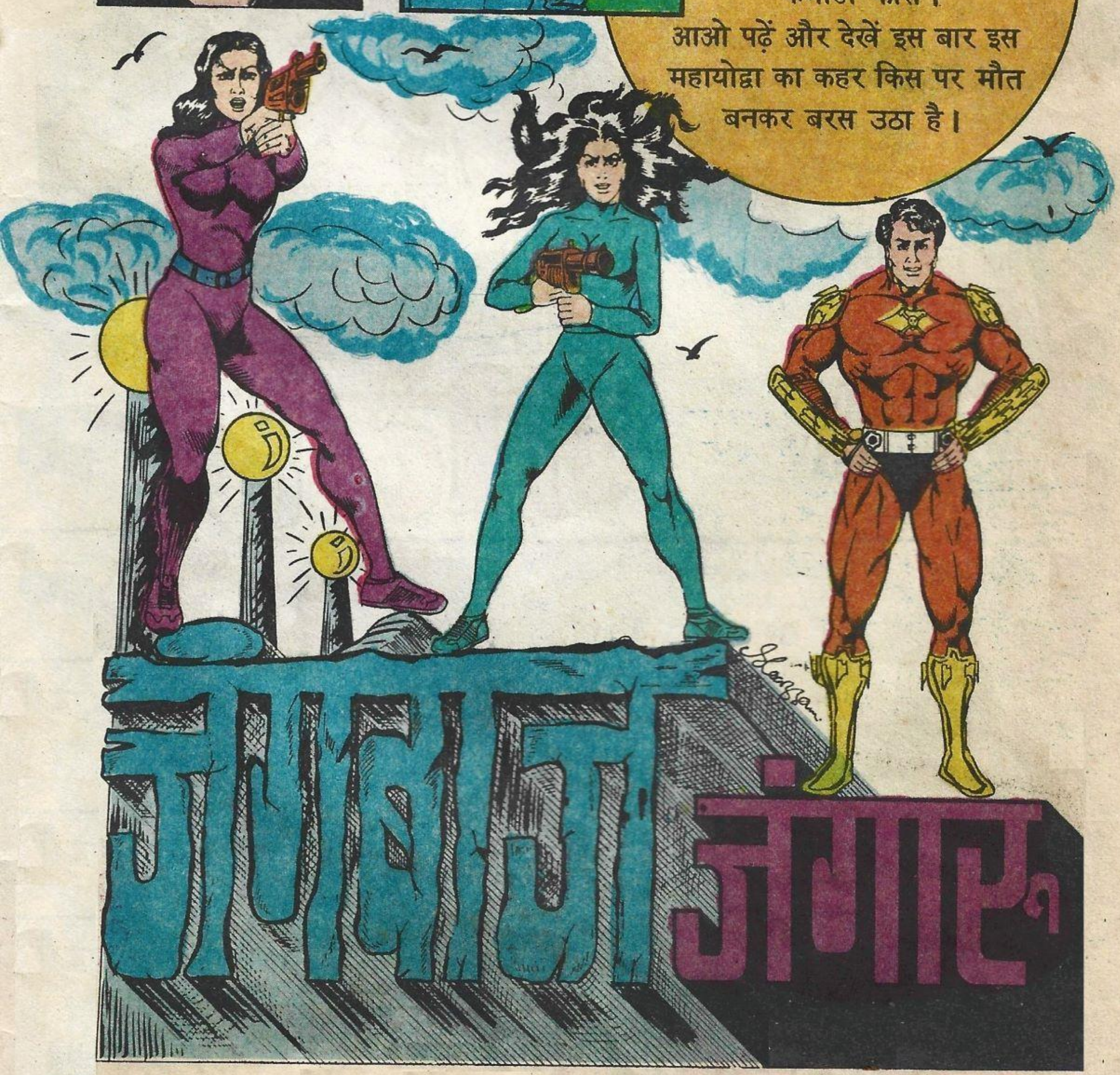

फोर्ट कॉमिक्स
मानवता का दोस्त हूँ मैं...
दुश्मनों की मौत हूँ मैं...
मुझे कह सकते हो-आक्टोपस
हाँ आक्टोपस हूँ मैं।
जिधर देखो मौत है
आक्टोपस
मेरा नाम है धरती उलट. तुझे भी उलट दूंगा मैं। हा..हा..हा..।
सर्रर्रर्र
आऽऽऽ
चौरंगीलाल और धरती उलट

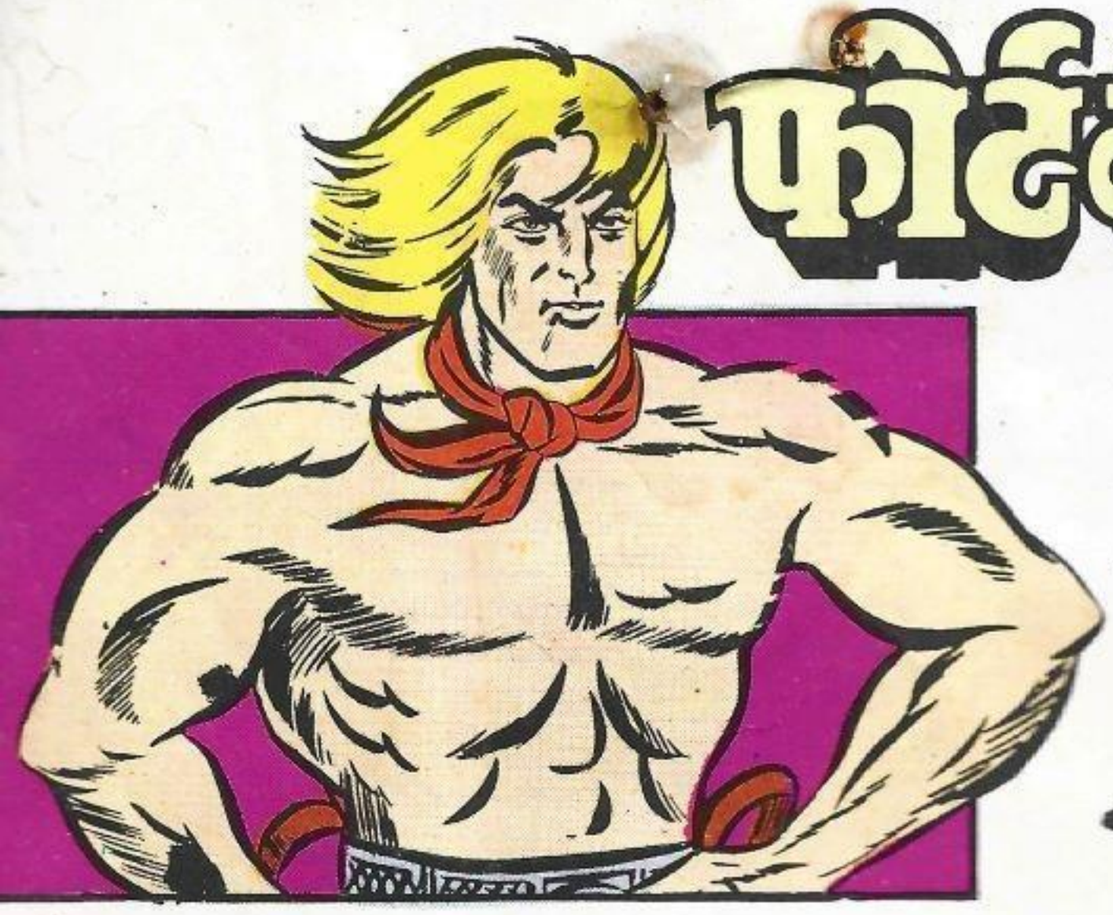

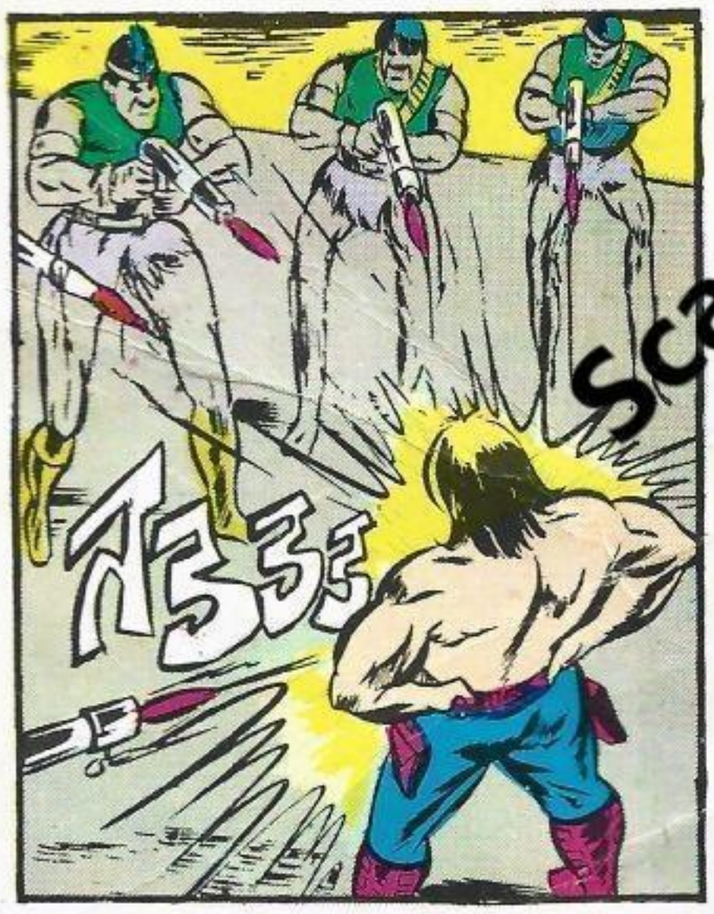

थार रेगिस्तान के सभी कबीलों को भुजंगारो की वहशी बादशाहत का सामना करना पड़ा। भुजंगारो का अत्यंत जालिम सेनापति जहरदेव सभी कबीलों की आजादी को कुचलता हुआ अन्याय की सीमाओं को लांघता चला गया। तब एक नारी की करूण पुकार पर आ पहुंचा रेत का बादशाह सैन्डो।
तब हुआ भुजंगारो और सैन्डो का भीषण टकराव।
रेतीले तूफान सैन्डो की एक लोमहर्षक एतिहासिक कॉमिक्स

Scan & editing by Rahul Dubey